LEARNING PATHS SCHOOL
STUDENT EXPRESS

ISSUE #4
SEPTEMBER 2020
हिन्दी दिवस

देश की आत्मा

देश की आत्मा है, हिंदी

हर राष्ट्र की अपनी एक भाषा होती है, जो उसका गौरव होती है। हिंदी भाषा भारत की संस्कृति का आईना है। यह भाषा देश के कोने-कोने में बोली जाती है। यह सरकारी आदेशों और कामकाज की भाषा है। संविधान ने 14 सिंतबर, 1949 को हिंदी भाषा को राजभाषा की मान्यता दी। इस उपलक्ष्य में 14 सिंतबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिंदी साहित्य दुनियाभर में प्रचलित और प्रसिद्ध है। यह भाषा लोक संगीत, लोक कथा और वेदों की भाषा है। इस भाषा द्वारा हम वेदों के मूल्यवान धन को पा सकते हैं। विश्व में इस भाषा का पठन-पाठन किया जाता है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपयी पहले भारतीय थे जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण देकर सबको चौंका दिया था। हिंदी भाषा को समझकर जन-जन तक पहुँचाना हर हिंदुस्तानी का कर्त्तव्य है।

- ईशरत कौर (आठवीं-बी)

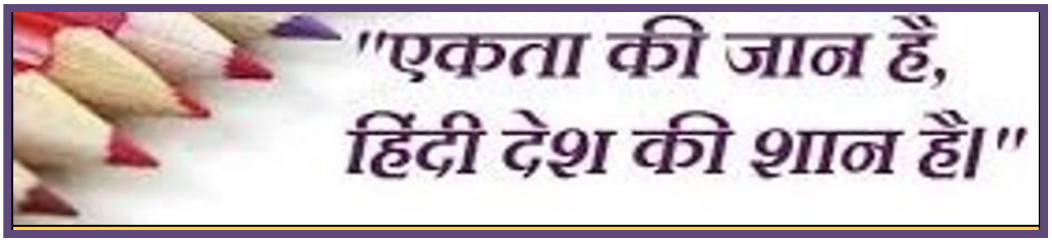

हम सभी का अभिमान है हिंदी,
भारत की शान है हिंदी।
एकता की अनुपम मिसाल है हिंदी,
हर दिल का अरमान है हिंदी,
जन –जन की भाषा है हिंदी।
जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है,
वो मज़बूत धागा है हिंदी।
हिंदुस्तान की गौरव गाथा है हिंदी,
एकता की अनुपम परंपरा है हिंदी।
जिसने काल को जीत लिया,
ऐसी कालजयी भाषा है हिंदी।
सरल शब्दों में कहा जाए तो,
जीवन की परिभाषा है हिंदी।

शुभांग वर्मा
सातवीं 'स'

किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र की अपनी एक भाषा होती है जो उसका गौरव होता है। राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र स्थायित्व के लिए राष्ट्रभाषा अनिवार्य है।

निजभाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल,
बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को सूल।

स्वतंत्र भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 को ही हिंदी भाषा को भारत की राजभाषा के रूप में मान्यता दी। किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा बनने के लिए उसमें सर्वव्यापकता, प्रचुर साहित्य रचना, बनावट की दृष्टि से सरलता और वैज्ञानिकता, सब प्रकार के भावों को प्रकट करने की सामर्थ्य आदि होने अनिवार्य होते हैं। यह सभी गुण हिंदी भाषा में हैं। आज भी हिंदी देश के कोने - कोने में बोली जाती है। किसी भी स्थान पर यदि कोई भाषा संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग की जा सकती है तो वह हिंदी हो सकती है। हम सबका कर्तव्य है कि हम हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर आसीन करने के लिए हर संभव प्रयास करें। हमारा यह कर्तव्य है कि हम अपनी राष्ट्रभाषा, हिंदी का सम्मान करें।

(महकप्रीत कौर /आठवीं-डी)

हिंदी दिवस

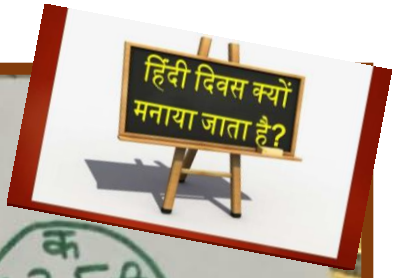

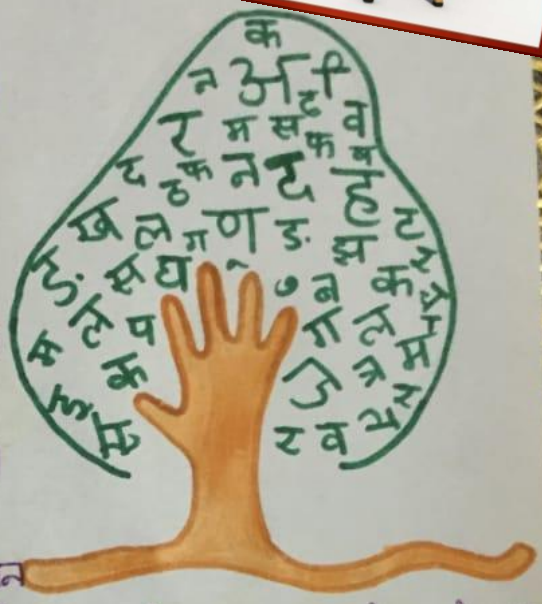

हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हिंदी दिवस क्यों मनाया जाता है? इसके पीछे एक वजह है। आइए जानते हैं....

सन् 1947 में जब अंग्रेज़ी शासन से भारत आज़ाद हुआ तब उसके सामने भाषा को लेकर सबसे बड़ा सवाल था क्योंकि भारत में सैंकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। 6 दिसंबर 1946 में आज़ाद भारत का संविधान तैयार करने के लिए संविधान का गठन हुआ। आज़ाद भारत का अपना संविधान 26 जनवरी 1950 में पूरे देश में लागू हुआ।

लेकिन भारत की कौन-सी राष्ट्रभाषा चुनी जाएगी, ये मुद्दा सबसे अहम था। काफ़ी सोच विचार के बाद हिंदी और अंग्रेज़ी को नए राष्ट्र की भाषा चुना गया। 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की **राजभाषा** होगी। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि इस दिन के महत्व को देखते हुए हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाएगा।

-कनवरीत कौर
नौवीं - 'ए'

हिंदी हैं हम
अ ब द स

सारे देश को जो जोड़ रही है
पूरे राष्ट्र की आशा रही है
जाति धर्म के पार रही है
वह हमारी हिंदी भाषा है।
अरनव सूद
छठी-डी

देश की शान। देश का मान।
देश की आन। हिन्दी।

हिन्दी का महत्व
हिंदी
हिन्दी हूँ मैं मातृ भाषा तुम्हारी
तुम्हारा ही जीवन हूँ आशा तुम्हारी
राष्ट्र का हूँ गुरूर राष्ट्र की पहचान
राष्ट्र की हूँ आन बान और शान
शौर्य दत्त
कक्षा- 6A

देश की आत्मा है, हिंदी

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ़ भारत की पहचान है, बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक और परिचायक भी है। यह विश्व में तीसरी सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी भारत की राजभाषा है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। भाषा वहीं जीवित रहती है जिसका प्रयोग जनता करती है। भारत में लोगों के बीच संवाद का सबसे बेहतर माध्यम हिंदी है। हमें बोलचाल की भाषा में हिंदी का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि इससे पूरे देश में एकता की भावना और मज़बूत होगी।

- क्रिश (आठवीं-बी)

नारा लेखन

हिंदुस्तानी है, पहचान हमारी

हिंदी से है शान हमारी!

माँ जितनी यह हमको प्यारी

रखे काल, क्रिया की जानकारी।

(प्रांजल, कक्षा - छठवीं बी)

माँ भारती की बोली है हिंदी,

पूरे देश को एक सूत्र में बाँधे है हिंदी,

राष्ट्रभाषा कहलाने की हकदार है हिंदी,

आओ हिंदी का सम्मान करें, इस पर हम मान करें।

(सिमरत, कक्षा - छठवीं सी)

हिंदी हमारी शान है, हिंदी ही पहचान है

हिंदी हमारा अभिमान, हिंदी ही सम्मान है

हिंदी हमारी राजभाषा, हिंदी ही परमज्ञान है

हिंदी बसती है दिल में हमारे, हमारे दिल में हिंदुस्तान है।

(शाश्वत कापड़ी, कक्षा - छठवीं सी)

विविधताओं के इस देश को अगर

एक धागे में पिरोना है, राजभाषा हिंदी से ही

यह संभव होना है।

(करमन कौर बत्रा, कक्षा - छठवीं सी)

कविता लेखन

भाषा हमारी है महान, यह रखेंगे हमेशा ध्यान।

14 सितंबर, 1949 को संविधान ने दिया राजभाषा का सम्मान,

हमारा कर्त्तव्य है कि हम करें अपनी भाषा का मान।

भाषा हमारी है महान, यह रखेंगे हमेशा ध्यान।

हम भारतवासी लेते हैं शपथ,

निज भाषा का करेंगे प्रसार होकर एकमत,

शुद्ध उच्चारण, उचित वर्तनी का प्रयोग करेंगे हर वक्त।

यह भाषा दो लफ़्ज़ों में दे जाती है बहुत-सा ज्ञान,

परंतु भाषा के प्रति आदर, नहीं कर सकते दो शब्दों में बयान।

भाषा हमारी है महान, यह रखेंगे हमेशा ध्यान।

इस अमूल्य भाषा से है हमारा अनोखा वास्ता,

करें सतत प्रयास और खोंजे एक नया रास्ता।

भाषा हमारी है महान, यह रखेंगे हमेशा ध्यान।

(काम्या शर्मा, कक्षा - सातवीं अ)

हिंदी मेरी भाषा है, हिंदी मेरी आशा है।

हिंदी का प्रसार करना, यही मेरी अभिलाषा है।

हिंदी की बोली अनमोल,

संज्ञा, सर्वनाम, पर्यायवाची, विलोम।

हिंदी हिंद हिमालय पर शोभित, सारे जग में हो ये गुंजित।

हिंदी में सब काम करेंगे, हिंदी का ही नाम करेंगे।

हिंदी सत्य वचन की देवी, पथ - प्रदर्शक हम बनेंगे।

(सहजप्रीत कौर, कक्षा - सातवीं बी)

भाषा के रूप में हिन्दी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक भी है। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सभी देशवासियों को "हिन्दी दिवस" के अवसर पर बधाई दी है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो।

(फलक / आठवीं-सी)